हारे का सहारा | By Amit Bansal

श्याम धणी आने में क्या देर लगाओगे
इतना समझ ले हारे हुए को और हराओगे

लिखा तेरे मंदिर पे हारे का सहारा
इसी नाम से बजता डंका तुम्हारा
क्या तुम अपने नाम पे बाबा दाग लगाओगे
इतना समझ ले हारे हुए को और हराओगे

खींच कर के नैया तेरी चौखट पे लाया
मांझी बना कर तुझको नाव में बिठाया
तुम जिस नैया में बैठे क्या उसे डुबाओगे
इतना समझ ले हारे हुए को और हराओगे

ये ना समझना खाली हारे हुए हैं
जिस दिन से हारे बाबा तुम्हारे हुए हैं
अब मेरी लाज नहीं ये तुम खुद की गँवाओगे
इतना समझ ले हारे हुए को और हराओगे

बनवारी हार कान्हा डूबने का डर है
किया मैंने तुझपे भरोसा टूटने का डर है
तुम हो भरोसे लायक क्या ये दिन दिखलाओगे
इतना समझ ले हारे हुए को और हराओगे

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b9%e0%a4%be%e0%a4%b0%e0%a5%87-%e0%a4%95%e0%a4%be-%e0%a4%b8%e0%a4%b9%e0%a4%be%e0%a4%b0%e0%a4%be-by-amit-bansal/